newsjankalyanseva@gmail.com

साप्ताहिक

जनकल्याण सेवा

ठाणे | वर्ष - २३ | अंक - १ | १ से ७ अप्रैल २०२४ | पृष्ठ - ४ | कीमत : २ रु. | Postal Reg. No. PLG/08/2022-2024

संपादकीय

संपादक सीमा गुप्ता

सरकारे नाकाम, शराब का गोरखधंधा

नकली शराब पीकर मरने वाले ज्यादातर गरीब लोग होते हैं, जो कम पैसे में नशे के लिए ऐसी शराब खरीदते हैं। इनमें से ज्यादातर अपने परिवार के लिए रोटी कमाने वाले होते हैं। उनके मरने से पूरे परिवार के सामने संकट खड़ा हो जाता है। पंजाब में नशे के कारोबार पर नकेल कसना लंबे समय से चुनौती बना हुआ है। पिछले विधानसभा चुनाव में यह सबसे बड़ा मुद्दा था। आम आदमी पार्टी ने वादा किया था कि अगर वह सरकार में आएगी, तो इस धंधे पर पूरी तरह रोक लगा देगी। मगर अभी तक इस दिशा में कोई कामयाबी नजर नहीं आ रही। ताजा मामला यह है कि मुख्यमंत्री के जिले संगरूर में जहरीली शराब पीने से इक्कीस लोगों की मौत हो चुकी है। कई लोगों का इलाज चल रहा है। इसे लेकर यह प्रश्न लोगों की जेहन में अटक गया है कि जब मुख्यमंत्री के जिले में जहरीली शराब के धंधे और मादक पदार्थों की पहुंच पर रोक नहीं लग पाई है, तो बाकी जगहों पर क्या स्थिति होगी। पंजाब में काफी समय से नशे की वजह से हो रही नौजवानों की मौतों को लेकर चिंता जताई जाती रही है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण वहां पाकिस्तान के रास्ते मादक पदार्थों की पहुंच पर रोक लगाना भी कठिन बना हुआ है। ऐसे में अगर जहरीली शराब से मौतों का नया मामला आया है, तो उसे लेकर स्वाभाविक ही नए सवाल उठने शुरू हो गए हैं। हालांकि प्रशासन ने छह लोगों को गिरफ्तार कर इस मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। नकली शराब का कारोबार कमोबेश हर राज्य की समस्या है। चोरी-छिपे शराब बनाने और बेचने वाले हर कहीं मौजूद हैं, मगर जो सरकारें सचमुच इस समस्या से पार पाने को लेकर संजीदा होती हैं, वे ऐसे कारोबारियों पर नकेल कसने में कामयाब ही देखी जाती हैं। पंजाब की तुलना दूसरे राज्यों से फिलहाल इसलिए नहीं की जा सकती, क्योंकि वहां नशे पर काबू पाना सरकार की प्राथमिकता है। वहां नशे के कारोबार के फलने-फूलने की वजहें भी अब काफी हद तक साफ हैं। उसमें अनेक रसूखदार लोगों और बड़े अधिकारियों की गिरफ्तारियां भी हो चुकी हैं। इस तरह माना जा सकता है कि वहां का प्रशासन इस समस्या को लेकर सतर्क है। फिर यह समझना मुश्किल है कि संगरूर में किस तरह नकली शराब बनाई जा रही थी और प्रशासन को इसकी भनक तब मिल सकी, जब जहरीली शराब पीकर लोग मरने लगे। इस तरह के धंधे स्थानीय लोगों की जानकारी से बाहर नहीं होते। फिर स्थानीय लोगों से पुलिस का तालमेल ठीक हो, तो उसे भी इस तरह के धंधे की जानकारी मिल ही जाती है। मगर नकली शराब के धंधे में अक्सर देखा जाता है कि इसे चलाने वालों की पुलिस से सांठगांठ होती है। संगरूर में भी ऐसी किसी गठजोड़ से इनकार नहीं किया जा सकता। नकली शराब पीकर मरने वाले ज्यादातर गरीब लोग होते हैं, जो कम पैसे में नशे के लिए ऐसी शराब खरीदते हैं। इनमें से ज्यादातर अपने परिवार के लिए रोटी कमाने वाले होते हैं। उनके मरने से पूरे परिवार के सामने संकट खड़ा हो जाता है। उनका संकट कुछ मुआवजा देकर दूर नहीं किया जा सकता।

मेहता और सरनाईक में सुलह

महायुति उम्मीदवार का करेंगे प्रचार

जेकेएस संवाददाता

भायंदर। भाजपा के प्रदेश नेतृत्व के आदेश के बाद मीरा-भायंदर भाजपा के नरेंद्र मेहता गुट के तेवर नरम पड़.गये हैं। मेहता गुट ने महायुति द्वारा तय किए गए उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार करने की आखिरकार सहमति दे दी है। सूत्रों की मानें तो मीरा-भायंदर शहर में शिवसेना (शिंदे गुट) और भाजपा के बीच की लडाई फिलहाल सुलझ गई है। दोनों पार्टियों के वरिष्ठों ने स्थानीय नेताओं को एकजुट होने का आदेश दिया गया है। इसलिए दोनों दलों के नेताओं ने अपने मतभेद भुलाकर कहा है कि वे अब महायुति के उम्मीदवार के लिए प्रचार करेंगे। पिछले कुछ दिनों से मीरा-भायंदर में शिवसेना (शिंदे गुट) और भाजपा (नरेंद्र मेहता गुट) में विवाद चरम पर है। मेहता गुट का आरोप है कि विधायक प्रताप सरनाईक के कारण ही नरेंद्र मेहता को विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पडा था। जिसके बाद से ही दोनों पक्षों में कडव्राहट कायम है। कुछ दिन पहले भाजपा के पूर्व नगरसेवक अरविंद शेट्टी द्वारा विधायक प्रताप सरनाईक पर गंभीर आरोप लगने के बाद

दोनों के बीच विवाद एक बार फिर बढ़. गया है। सरनाईक समर्थको की मानें तो नरेंद्र मेहता ने इस अवसर का उपयोग पूरी भाजपा पार्टी को सरनाईक के खिलाफ एकजुट करने के लिए भी किया। दोनों के बीच यह विवाद इस हद तक पहुंच गया कि भाजपा और शिवसेना दोनों आमने-सामने आ गए। दोनों पार्टियों के जिलाध्यक्ष ने थाने में पत्र देकर एक-दूसरे के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इतना ही नहीं नरेंद्र मेहता गुट की ओर से यह भी चेतावनी दी गई कि लोकसभा चुनाव में वे शिवसेना उम्मीदवार के खडे.होने पर प्रचार नहीं करेंगे। गौरतलब है कि ठाणे लोकसभा के लिए महायुति उम्मीदवार की घोषणा आने वाले दिनों में की जाएगी। ऐसे में अगर मीरा-भायंदर में भाजपा और शिवसेना के बीच विवाद जारी रहा तो संभावना है कि इसका असर चुनाव में भी पडेग़ा और इस विवाद का फायदा महाविकास अघाडी के उम्मीदवार राजन विचारे को मिलेगा। इसलिए इस विवाद को सुलझाने के लिए दोनों पक्षों के वरिष्ठों ने पहल की और विवाद को सुलझाकर साथ मिलकर काम करने का आदेश दिया। इसलिए अब दोनों पार्टियों के स्थानीय नेता नरम पड.गए हैं। इस बारे में जब शिवसेना के मीरा-भायंदर जिला प्रमुख राजू भोईर से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वे हर हाल में युतिधर्म का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि वह महायुति के उम्मीदवार को जिताने के लिए भाजपा के साथ मिलकर काम करेंगे। साथ ही अगर कोई कार्यकर्ता इससे नाखुश है, तो यह उसका निजी फैसला हो सकता है। भाजपा के जिलाध्यक्ष किशोर शर्मा ने कहा है कि दोनों पार्टियां मिलकर प्रचार करेंगी। फिलहाल चुनाव तक दोनों पक्षों ने तलवार म्यान में रख ली है, जो चुनाव बाद एक बार फिर से खिंचनी तय है।

कडे बंदोबस्त में मनेंगे सभी त्यौहार, कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील पुलिस उपायुक्त - सुहास बावचे

वसई : लोकसभा चुनाव की घोषणा होते ही आचार संहिता लागू हो गई है। नागरिकों की विभिन्न मांगों को लेकर राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों द्वारा आंदोलन, प्रदर्शन, साथ ही त्योहारों के अवसर पर दुर्व्यवहार करते पाए जाने पर मीरा-भायंदर, वसई-विरार आयुक्तालय की पुलिस ने निषेधाज्ञा लगा दी है। इन नियमों का पालन करने की अपील भी की गई है। २९ मार्च को गुड फ्राइडे, उसके बाद ईस्टर संडे (३१ मार्च), गुढीपाडव़ा (९ अप्रैल) और ११ अप्रैल को रमजान-ईद पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसलिए कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मीरा-भायंदर, वसई-विरार आयुक्तालय के पुलिस उपायुक्त सुहास बावचे ने यह आदेश जारी किया है। आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र में कुल १८ पुलिस स्टेशनों में शांति, कानून और व्यवस्था बरकरार रहे। असामाजिक और गुंडागर्दी के खिलाफ निवारक कार्रवाई की सुविधा के लिए सार्वजनिक शांति

और व्यवस्था बनाए रखने के लिए निषेधाज्ञा लागू की गई है। यदि यह पाया जाता है कि कोई भी ऐसी चीज ले जाना, जिससे शरीर को चोट पहुंचाई जा सकती है, पत्थर या उपकरण इकट्ठा करना, किसी ज्वलनशील या विस्फोटक पदार्थ का परिवहन करना, सार्वजनिक घोषणा करना, गाने गाना, पांच से अधिक लोगों को इकट्ठा करना, सार्वजनिक बैठकें करना, बाहर निकालना जुलूस इत्यादि पर पाबंदी लगाई गई है । इन काम के लिए छूट : विवाह समारोह के लिए जुटे लोग, जो रिश्तेदार दाह-संस्कार और अंत्येष्टि के लिए आए हैं, सरकारी, अर्धसरकारी काम के लिए लोग कोर्ट में जुटे, सरकारी संस्थानों, शिक्षण संस्थानों में जुटे समुदाय के लोग, पुलिस द्वारा सभा, जुलूस की अनुमति, वे स्थान जहां सरकारी / अर्धसरकारी कर्मचारी ड्यूटी करते हैं। इन सभी जगहों पर छूट दिया गया है, वहीं सुहास बावचे उपायुक्त (मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय) ने बताया कि मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में निषेधाज्ञा १२ अप्रैल तक लागू रहेगी। निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वालों पर कानूनी करवाई की जाएगी।

पुरानी सहयोग पार्टी को नजरअंदाज व नए साझेदारों को अहमीयत

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : रामदास अठालवे का दावा है कि महायुति में नए साझेदारों को तरजीह दी जा रही है. १२ साल पुरानी सहयोगी पार्टी आपीआईए को नजरअंदाज किया जा रहा है. केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने गुरुवार को कहा कि बीजेपी को रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) को चुनाव लडऩे के लिए कम से कम दो लोकसभा सीटें देनी चाहिए. अठावले ने कहा कि उन्होंने फरवरी में महाराष्ट्र में शिरडी और सोलापुर सीटें मांगी थीं. दुर्भाग्य से सीट बंटवारे की प्रक्रिया में आरपीआई (ए) का नाम कहीं नहीं दिख रहा है. उन्होंने दावा किया नए साझेदारों को तरजीह दी जा रही है, जबकि मेरी पार्टी जो १२ साल से बीजेपी की सहयोगी रही है, को नजरअंदाज किया जा रहा है. साल २०१२ के बीएमसी चुनावों में आरपीआई द्वारा बीजेपी-शिवसेना को समर्थन देने के बाद महायुति (सत्तारूढ. गठबंधन) का गठन किया गया था. एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के शामिल हो जाने के कारण इस बार महायुति का गठन नहीं हो सका. आरपीआई कार्यकर्ताओं की शिकायत है कि उन्हें गठबंधन में

सम्मान नहीं मिल रहा है. आरपीआईए नेता रामदास अठावले ने कहा, 'अगर आरपीआई(ए) को दो सीटें नहीं दी जाती हैं, तो विचार-विमर्श होना चाहिए कि वे इसके बदले और क्या पेशकश करने जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि वह महाराष्ट्र के उप प्रमुख से मिलेंगे. मंत्री देवेन्द्र फडण़वीस पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनाओं से अवगत कराएंगे. हम मांग करेंगे कि आरपीआई को केंद्र में एक कैबिनेट रैंक का पद मिलना चाहिए. राज्य में उन्हें हमें एक कैबिनेट पद, कुछ महासंघों में अध्यक्ष पद और अन्य पद देने चाहिए. उन्होंने कहा, 'हम राज्य चुनाव में कम से कम एक एमएलसी पद और कम से कम १० सीटों की मांग करेंगे. आरपी आई मजबूती से पीएम नरेंद्र मोदी के साथ खडी है. हालांकि, पार्टी कार्यकर्ताओं का मानना है कि आरपीआई का अपमान किया जा रहा है और मुझे उचित निर्णय लेने के लिए कहा गया है. उन्होंने दावा किया कि आरपीआई को विश्वास में नहीं लिया गया है, पार्टी को किसी भी बैठक के लिए नहीं बुलाया जा रहा है. सीट बंटवारे पर पार्टी के साथ कोई चर्चा नहीं हुई है. शिरडी लोकसभा पर बीजेपी को निर्णय लेना चाहिए क्योंकि आरपीआई इसे जीत सकती है.'

फिटनेस एंड वेलनेस स्टोर पर पुलिस का छापा , संचालक कन्हैया कनौजिया गिरफ्तार

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : मीरा भायंदर-वसई विरार पुलिस आयुक्तालय की एंटी-नारकोटिक्स सेल (एएनसी) और खाद्य एवं औषधि प्राधिकरण (एफडीए) की ठाणे इकाई के अधिकारियों ने संयुक्त कारवाई कर बिना किसी लाइसेंस या संबंधित अधिकारियों की अनुमति के बॉडी बिल्डिंग ड्रग्स को स्टोर करने और बेचने के आरोप में एक फिटनेस स्टोर पर छापा मारा। मीरारोड के बेवर्ली पार्क इलाके में स्थित एक फिटनेस स्टोर से संबंधित दवाओं के दुरुपयोग के बारे में जानकारी मिलने पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस निरीक्षक अमर पराठे और पीएसआई घाडगे के नेतृत्व में टीम ने शनिवार को बेवर्ली पार्क इलाके में स्थित सरावगी एवेन्यू बिल्डिंग की ५ के नामक फिटनेस एंड वेलनेस स्टोर पर छापा मारा और वहां से मेफेन्टरमाइन सल्फेट इंजेक्शन (३० मिलीग्राम) की ११ बोतलें जप्त कीं। दुकान चालक की पहचान कन्हैया कनौजिया के रूप में हुई है। वह इस तरह के स्टॉक को रखने की वैधता को प्रमाणित करने के लिए कोई कागजात और न ही इसके लिए कोई बिल दिखा पाया। जिससे यह पता चलता है की बिना लाइसेंस के स्रोतों से इन्हे अवैध तरीके से खरीदा गया था। दवाओं को एफडीए के अधिकारियों ने जप्त कर कनौजिया को गिरफ्तार कर लिया है। कनौजिया के खिलाफ आईपीसी की धारा ३२६ और ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट, १९४० के प्रावधानों के तहत मीरारोड पुलिस थाने में अपराध दर्ज किया गया है। इससे पूर्व भी कनौजिया के खिलाफ नवंबर, २०२२ में इसी तरह के अपराध में शामिल होने के लिए मामला दर्ज किया गया था। बता दें की तेजी से मांसपेशियां बनाने की सनक मेफेन्टरमाइन जैसी चिकित्सीय दवाओं के अवैध उपयोग को बढावा दे रही है। जिसका उपयोग रोगियों में सामान्य रक्तचाप बनाए रखने के लिए किया जाता है । एफडीए अधिकारी ने पुष्ठि की है कि ऐसी दवाओं को डॉक्टर के पर्चे के बिना ओवर-द-काउंटर नहीं बेचा जा सकता है और न ही इसे बिना लाइसेंस वाले स्रोत से खरीदा जा सकता है। इसके अलावा, स्टेरॉयड के दुरुपयोग से शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को नुकसान हो सकता है।

चुनाव की दस्तक से अपराधियों की धरपकड

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : लोकसभा २०२४ के मद्देनजर मीरा भायंदर, वसई -विरार पुलिस आयुक्तालय द्वारा मीरा -भायंदर शहर में ऑल आउट कोंबिंग ऑपरेशन व नाकाबंदी की गई। जिसमें विभिन्न कानूनों के तहत करीब १५० से अधिक मामले दर्ज किए गए। एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय के आयुक्त मधुकर पांडे और अतिरिक्त आयुक्त श्रीकांत पाठक के मार्गदर्शन में मीरा भायंदर शहर के काशी मीरा, काशीगांव,मीरारोड, नयानगर, नवघर, भायंदर और उत्तन पुलिस थाने क्षेत्र अंतर्गत चलाए गए ऑल आउट कोंबिंग ऑपरेशन के दौरान ५ वारंट

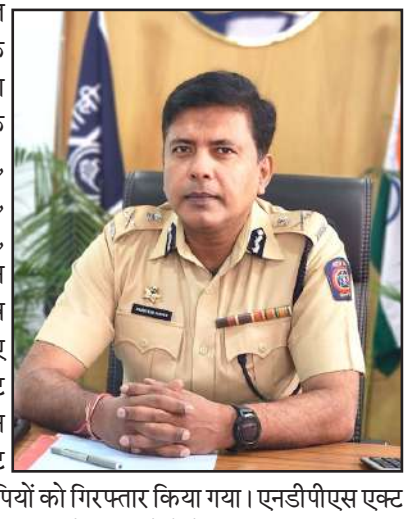

में फरार २ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। एनडीपीएस एक्ट के तहत ११ अपराध दर्ज, १७ लोगों के खिलाफ सीआरपीसी एक्ट १०७ के तहत प्रतिबंधात्मक कारवाई, शराब बंदी एक्ट के तहत ६ अपराध, कोप्ता एक्ट के तहत १५ शिकायत दर्ज, १७ दोषी अपराधियों, ८ विदेशी नागरिक, ७ तडीपार आरोपियों की जांच, ५४ होटल व लॉज की जांच की गई। १९ स्थानों पर किए गए नाकाबंदी में ३९७ संदिग्ध वाहनों की जांच कर मोटर वाहन एक्ट १४९ के तहत मामला दर्ज किए गए।

ड्रग्स का व्यापार हो रहा है सरेआम, पुलिस है बेखबर

मुंबई : देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में इस समय ड्रग्स मिलना बेहद ही आसान हो गया है। ड्रग्स खुलेआम फ्लाईओवरों और ब्रिजों के नीचे बेचे जा रहे हैं, लेकिन मुंबई पुलिस इससे बेखबर है। इस समय शहर में जिस तेजी के साथ ड्रग्स की बिक्री हो रही है उसे देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि अब वह दिन दूर नहीं जब मुंबई शहर के युवा नशे की आगोश में होंगे। मुंबई पुलिस का ड्रग्स फ्री मुंबई अभियान पूरी तरह से ठंडे बस्ते में जा चुका है। इसका ताजा उदाहरण है माटुंगा रोड फ्लाईओवर के पास रेलवे वर्कशॉप के फुटपाथ पर रहनेवाली एक महिला, जो कि अवैध रूप से नशीली दवाओं की खरीद फरोख्त में संलिप्त बताई जाती है। बता दें कि माटुंगा रेलवे वर्कशॉप के फुटपाथ पर अपना आशियाना जमा चुकी यह महिला पहले माटुंगा स्टेशन के करीब फ्लाईओवर के नीचे नशीली दवाएं बेचती थी। लेकिन इसने अपनी जगह बदलकर अब यहां ड्रग्स बेचना शुरू कर दिया है, लेकिन हैरानी की बात तो यह है कि पुलिस को इस बारे में

कोई जानकारी नहीं है। ऐसे में अब यह सवाल खड़ा होता है कि कहीं पुलिस के साथ इस महिला की कोई सांठगांठ तो नहीं है? वैसे पुलिस द्वारा समय-समय पर कार्रवाई भी होती रहती है, लेकिन उन्हें नाकामी के अलावा कुछ और हाथ नहीं लगता है। बता दें कि कुछ समय पहले माटुंगा रोड स्टेशन के पास फ्लाईओवर के नीचे इस महिला का खुलेआम ड्रग्स बेचने का वीडियो वायरल हुआ था, जो सेनापति बापट मार्ग पर पिछले कई सालों से गांजा बेच रही थी। सूत्रों के अनुसार, मुंबई शहर में कई जगहों पर खुलेआम ड्रग्स की बिक्री चल रही है। माहिम कॉजवे जंक्शन पर फायरब्रिगेड स्टेशन के सामने भी इस तरह का अवैध धंधा चल रहा है।शहर में ड्रग्स तस्करी को लेकर लोगों का कहना है कि मुंबई पुलिस इन तस्करों पर कार्रवाई करने में अनिच्छुक है। उन्हें सब मालूम है, लेकिन वो ड्रग्स माफिया को पकड़ना नहीं चाहती है। उदित प्रताप नाम के एक शख्स ने कहा कि सामान्य लोगों को ड्रग सप्लायर आसानी से मिल जाते हैं, लेकिन पुलिस इन्हें ढूंढ कर गिरफ्तार करने में नाकाम रहती है। उदित ने दावा करते हुए कहा कि इसके बदले पुलिस को हफ्ता मिलता है। इस बारे में एक अधिकारी से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि वह जल्द ही जांच कर कार्रवाई करेंगे।

देश-विदेश के जानीमानी हस्ती हैं भाईंदर निवासी उद्योगपति व कर्मठ समाजसेवक विजय पारीख

भाईंदर। मुंबई में जन्में-पले, बड़े हुवे, पढ़-लिखकर अपने पैरों पर खड़े हुवे भाईंदर निवासी पेशे से मैकेनिकल इंजीनियर अल-कैन एक्सपोर्ट के फॉउंडर चेयरमैन विजय पारीख को कौन नहीं जानता! उनके बारे में लिखना सूरज को रोशनी दिखाने के बराबर है। साथ ही वे सामाजिक संस्था नोबल फॉउंडेशन के भी संस्थापक अध्यक्ष हैं। ज्ञात हो कि, विजय भाई अपने नाम से नहीं अपने अच्छे कर्मों से जाने जाते हैं। बहुत ही सरल स्वभाव है उनका, ऊंचा व्यक्तित्व, उच्च शिक्षा ग्रहण कर, उद्यम एवं समाजसेवा में निपुणता के साथ-साथ,परोपकारी, मानवतावादी, बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। उन्हें देश-विदेश में कई सम्मान-पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। विजय भाई सम्मान-पुरस्कार के लिए काम नहीं करते बल्कि, मानवता, समाजसेवा कार्य को देखकर सतत सुकार्य करते हैं। जिसके कारण उन्होंने ' देश और समाज मे ख्याति अर्जित की है। विजय कृष्णदास पारीख का जन्म ०७ नवंबर १९५८ है। मुंबई के जी. टी. स्कूल में १९७६ में पढ़ते थे। ततपश्चात सेंट ज़ेवियर कॉलेज से ग्रेजुएशन की। देश के नामचीन अभियांत्रिकी संस्थान वीजीटीआई (विक्टोरिया जुबली टेक्निकल इंसीटीयूट) अब वीरमाता जीजाबाई टेक्नोलॉजिकल इंसीटीयूट, दादर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की शिक्षा-ग्रहण की। आपके पिताजी कृष्णदास मणिलाल पारीख ' देना बैंक में सेवारत थे। भाईंदर (पूर्व) में सन १९८५ में आकर एक छोटी सी फैक्टरी शुरू की। सन १९८६ में अल-कैन एक्सपोर्ट की स्थापना की। तत्पश्चात पालघर जिला के तलासरी में अल-केन इंटरनेशनल कंपनी की विशाल फैक्टरी शुरू की। जहाँ आज हजारों लोग काम करते हैं, उन्हें रोज़गार मिला हुवा है। उल्लेखनीय है कि, हाल ही में भाईंदर गुजराती समाज ' द्वारा काशिमिरा दहिसर चेकनाके के समीप स्थित मनपा का भारतरत्न लतामंगेशकर हॉल में भगवान कृष्ण, श्रीनाथ जी की लीला पर मुम्बई के ' सूरनर्तन अकादमी के सुप्रसिद्ध कलाकारों ने भव्य गीत, नृत्य का प्रदर्शन किया। जिसका रसास्वादन हॉल में खचाखच भरे दर्शकों ने लिया। बता दें कि, भारत में ' अल कैन एक्सपोर्ट्स द्वारा निर्मित आपातकालीन स्थिति में जरूरतमंदों के लिए आक्सीजन किट सिलेंडर' का निर्माण का लाभ भारत के दूर-दराज राज्यों, गांव-शहरों में लोग इसका लाभ उठाया। फेफड़े से संबंधित बीमारी, श्वसन क्रिया में होनेवाली तकलीफों में बड़े ही फायदेमंद साबित हुवी है यह अल-कैन की ऑक्सिकिट। खासकर अस्थमा, पीयूरेल् ईफेक्शन, आक्सीजन की कमी होने पर श्वसन क्रिया में तकलीफ़ के समय, सीनियर-सिटिज़न को जरूरत के समय, ऊंचाई पर चढ़ते समय, पर्वतारोहियों के लिए, कहीं हिल स्टेशनों पर ट्रावेलिंग के दौरान, सड़क दुर्घटना में तत्काल ऑक्सिजन की उपलब्धता हेतु, स्पोर्ट्स एवं बाइक एम्बुलेंस हेतु अत्यंत लाभकारी है यह 'अल-कैन ' का ऑक्सिकिट। आसानी से इसका एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से ले जाया जा सकता है। यह घर-घर के लिए बहोत ही उपयोगी साबित हो रही है ' ऑक्सीजन किट। ज्ञात हो कि, भायंदर (पूर्व) गोल्डन नेस्ट सर्कल के करीब फाटक रोड पर स्थित अल-कैन एक्सपोर्ट्स ' द्वारा विभिन्न प्रकार के एल्युमिनियम एवं स्टील के बॉटल्स, सिलेंडर का निर्माण किया जाता है। अल-कैन एक्सपोर्ट्स प्रायवेट लिमिटेड की हेड ऑफिस मुम्बई, फैक्टरी पालघर के तलासरी एवं अंतरराष्ट्रीय कार्यालय युनाइटेड स्टेट अमीरात, दुबई एवं फ्रांस में स्थित है। अल-कैन एक्सपोर्ट्स एशिया महाखंड समेत सैंतीस देशों में विभिन्न प्रकार के गैस सिलेंडर, कनस्तर, कंटेनर निर्यात करनेवाला एक बड़ा फर्म है। इस अल-कैन एक्सपोर्ट के संस्थापक-संचालक विजय कृष्णादास पारीख हैं। जोकि, भारत के नामचीन उद्योगपतियों में एक हैं। अन्य ट्रस्टियों में निशा विजय पारीख, चिंतन एवं समीर पारीख इस कंपनी के महत्वपूर्ण पदों पर रहकर सुचारू रूप से कार्यभार देख रहे हैं। ' अल-कैन एक्सपोर्ट्स ' द्वारा ५ मिलीलीटर से ३२ मिलीलीटर तक स्टील एवं एल्युमिनियम की निर्यात की जानेवाली बोतलें, एल्युमिनियम कनस्तर, एल्युमिनियम कैन और एल्युमिनियम कंटेनर शामिल हैं। गौरतलब है कि, एल्युमिनियम बॉटल्स और केन्स का उपयोग व्यापक रूप से एसेंशियल ऑयल्स, पसयुमरी, फ्लेवर और फ्रेगरेंस, फार्मास्युटिकल्स और कॉस्मेटिक उद्योग में काम किया जाता है। अल-कैन द्वारा निर्मित एल्युमिनियम की बोतलों को संयुक्त राष्ट्र के नियमों के अनुसार ख़तरनाक माल के परिवहन के लिए अनुमोदित किया गया है। एल्युमिनियम बॉटल और कैन की लगातार बढ़ती मांगों को दूर करने के लिए, अल-कैन ने उत्पादन को विशिष्ठ रूप से बनाये रखा है और परिष्कृत बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है। अल-कैन ' की विनिर्माण इकाई, एक विस्तृत क्षेत्र में फैली हुवी है और कुछ सबसे स्वचलित उत्पादन सुविधा और परीक्षण उपकरणों से सुसज्जित है। लगभग २८ वर्षों से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ, ' अल-कैन नवीनतम तकनीक और उच्च गुणवत्ता और प्रतिबद्धता के मानकों को पूरा करते हुवे वर्षों से अल-कैन सक्रिय रूप से कार्यरत है। ज्ञात हो कि, ' अल-कैन द्वारा निर्मित मेडिकल गैस सिलिंडर ' के लिए हाई-प्रेशर गैस सिलिंडर का पहला निर्माता है और होम-केयर, अस्पताल, एम्बुलेंस तथा इमरजेंसी किट के लिए अन्य मेडिकल गैस ' उपलब्ध है। अल-कैन सिलिंडर पोर्टेबल, लाइट-वेट, इजी टू हैंडल, करप्शन रेसिस्टेंस और नॉन- मैग्नेटिक है। इन सिलिंडरों का उपयोग अस्पताल में, एनेस्थीसिया मशीन, लेप्रोस्कोपी मशीन, स्ट्रेक्चर, ऑपरेशन थियटर, इमरजेंसी वार्ड और इनक्यूबेटर के लिए किया जाता है। सिलेंडर अल-कैन के साथ लाइट वेट एल्युमिनियम ऑक्सीजन गैस सिलिंडर वाल्व, रेगुलेटर, मास्क और कैरी बैग के साथ आता है। सिलेंडर और वाल्व भारत-सरकार द्वारा अनुमोदित है - पेट्रोलियम और विस्फोटक विभाग। स्टील सिलेंडर की तुलना में एल्युमिनियम सिलेंडर ४० % प्रतिशत लाइट वेट है। उक्त मेडिकल ऑक्सीजन गैस सिलिंडर गैर-चुम्बकीय, जंग प्रतिरोधी, सीमलैस, लाइट वेट सिलेंडर, ऐसे संभालना और इसका परिवहन करना आसान है। कोई विशेष रखरखाव की आवश्यकता नहीं है, केवल पांच साल में आवश्यक हो तो आवश्यकता होती है। बता दें कि, अल-कैन का ' ऑक्सीजन गैस सिलेंडर अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार एवं अनुरोध पर उपलब्ध है। इस उच्च दवाब सिलेंडर की गुणवत्ता का आत्मजांच, तृतीय-पक्ष निरीक्षण और पेट्रोलियम एवं एक्सप्लोजिव डिपार्टमेंट द्वारा विक्री के लिए प्रमाणित है। जिस पर पी.आई. और सी. आई. मार्क उपलब्ध है। मिश्र धातु ७०६० एवं उच्च शक्ति एल्युमिनियम मिश्र धातु ६०६१ एद्वारा उक्त ऑक्सीजन सिलेंडर घर-घर के लिए उपलब्ध है। ' कोविडकाल ' में आपातकालीन ऑक्सीजन आपूर्ति सेवा हेतु अल-कैन एक्सपोर्ट्स के संस्थापक-संचालक विजय पारीख द्वारा ऑक्सीकिट अल - कैन ' के साथ लाइट वेट एल्युमिनियम ऑक्सीजन गैस सिलेंडर वाल्व, रेगुलेटर, मास्क एवं कैरी बैग के साथ आता है। साथ ही इस लाइट वैट सिलेंडर को भारत में किसी भी गैस निर्माता या गैस डीलर से रिफिल किया जा सकता है। इसके अलावा, यह पोर्टेबल और प्रयोग करने में आसान है। अल-कैन ' का यह ऑक्सीकिट श्वसन विकार से पीड़ित मरीज़ (डॉक्टर के मार्गदर्शन / नुस्खे के तहत), भलाई के लिए वरिष्ट-नागरिकों के लिए, लोगों को तनाव से मुक्त करना, यात्री गण एवं पर्वतारोहियों के लिए, ऊंचे स्थानों पर आसानी से सांस लेने के लिए ट्रैकर है। इसकी उपयोगिता एथलीट और खिलाड़ी भी उठा सकते हैं। विशेषत: दैनिक वायु-प्रदूषण से भी यह ध अल-कैन ऑक्सीकिट ध ताजगी प्रदान करता है। उल्लेखनीय है कि, अल-कैन द्वारा निर्मित मेडिकल गैस सिलेंडर, होम- केयर-ऑक्सीकिट के अलावा स्कूबा सिलेंडर, पेच सिलेंडर, अग्निशामक सिलेंडर, पेंटबाल सिलेंडर, हीलियम सिलेंडर का भी निर्माण कार्य करता है। ' अल-कैन ' प्रोडक्ट से संबंधित अधिक जानकारी के लिए वेबसाईट गूगल, फेसबुक, यू ट्यूब, ट्विटर एवं दूरभाष क्रमांक २२ २८ १९ ३१ २२ / २२ २८ १४ २४ ७७ पर सम्पर्क कर सकते हैं। भाईंदर में ' नोबल फॉउंडेशन द्वारा धर्मांतरण एवं आतंकवाद के ख़िलाफ़ जागरूकता अभियान चलाया। भाईंदर में सामाजिक संस्था ' नोबल फाऊंडेशन ' के संस्थापक अध्यक्ष व भाईंदर गुजराती समाज के अध्यक्ष विजय पारिख ने महिलाओं, युवतियों व युवाओं में जागरूकता-अभियान के तहत हज़ारों

लोगों को भाईंदर (पश्चिम) स्थित मेक्सेस मॉल में द केरल स्टोरी ' फ़िल्म देखने की नि:शुल्क व्यवस्था की। इस मौके पर ' अन्याय विरोधी संघर्ष समिति के अध्यक्ष व वरिष्ट-पत्रकार सुभाष पांडेय, विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल से जुड़े कर्मठ समाजसेवक गौरांग कंसारा, नोबल फाऊंडेशन ' से जुड़े विजय शाह, श्रुति गावड़े, संजय चंदारणा, अल्पा सावलिया, हेतल परिख, नितेश मोरे, रत्ना खड़तरे, अल-कैन एक्सपोर्ट के एडमिन मैनेजर परशुराम लोधिया,अमर मिश्रा ' बजरंगी ', दीपेश जॉनी आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। गौरतलब है कि, द केरल स्टोरी सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित और विपुल शाह द्वारा निर्मित हिंदी भाषा की एक भारतीय फिल्म है। कथानक केरल की महिलाओं के एक समूह की कहानी है जो धर्मान्तरित होकर मुसलमान बन जाती हैं और चरमपंथी इस्लामिक स्टेट ऑफ. इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) में शामिल हो जाती हैं। फिल्म ने खुद को एक सच्ची कहानी के स्पष्ठ चित्रण के रूप में प्रस्तुत किया है और यह बताया है दुनिया की हजारों महिलाओं को इस्लाम में जबरदस्ती परिवर्तित किया जा रहा है और आईएसआईएस में भर्ती किया जा रहा है। फिल्म को वास्तविक जीवन की घटना पर आधारित बताया गया है, जबकि दिखाए गए आंकडों की विश्वसनीयता किसी भी वास्तविक साक्ष्य द्वारा समर्थित नहीं है। ३ नवंबर २०२२ को जारी किए गए टीजर, में अदा शर्मा को फातिमा बा - एक हिंदू मलयाली नर्स - का किरदार निभाते हुए दिखाया गया है - जो एक अफगान जेल में मरने से पहले इस्लाम में परिवर्तित हो गई थी और आईएसआईएस में शामिल हो गई थी। वह हिंदू और ईसाई समुदायों की उन ३२,००० लडकियों में से एक होने की पहचान करती है, जो केरल से लापता हैं और इस्लाम में परिवर्तित होने के बाद आईएसआईएस में भर्ती की गई। दावा किए गए आंकडे. व्यापक रूप से गलत हैं, जो गलत अनुवादों, गलत उद्धरणों और असंबंधित आंकडों की गलत प्रस्तुतियों से बहिर्वेशन पर आधारित हैं।ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन ने २०१९ की एक रिपोर्ट में कहा है कि २०१४ और २०१८ के बीच लगभग ६० से ७० व्यक्ति केरल से आईएसआईएस में शामिल हुई थी। भारत सरकार के आंकडों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में कुल १०० - २०० से अधिक भारतीय संगठन में शामिल नहीं हुए थे, जो कि पर्याप्त मुस्लिम आबादी वाले किसी भी देश के सबसे छोटे आंकडों में से एक है। अमेरिकी विदेश विभाग ने आतंकवाद पर अपनी २०२० की रिपोर्ट में दस्तावेज किया था कि भारत के कुल ६६ व्यक्ति थे जो उस समय आईएसआईएस से संबद्ध थे। फिल्म में दिखाई गई घटनाएं केरल की चार महिलाओं परर केन्द्रित लगती हैं, जिन्होंने इस्लाम धर्म अपना लिया और २०१६-२०१८ के बीच आईएसआईएस में शामिल होने के लिए अपने पतियों के साथ अफगानिस्तान चली गईं। वे २०१६ में आईएसआईएस में शामिल होने वाले केरल के २१ सदस्यीय समूह का हिस्सा थे, २०१९ में आत्मसमर्पण करने के बाद से अफगानिस्तान में कैद हैं। फिल्म की रिलीज के दिन, केरल उच्च न्यायालय ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। यह कहते हुए कि फिल्म में आरोप आईएसआईएस के बारे में थे, न कि किसी विशेष धर्म के बारे में। निर्माता उस टीजर को हटाने पर सहमत हो गए, जिसने विवादास्पद दावा किया था कि आईएसआईएस में ३२,००० लडकियों की भर्ती की गई थी।

सर्वविदित है कि, भायंदर में ' नोबल फॉउंडेशन ' द्वारा सतत ' नि:शुल्क चिकित्सा शिबीर ' का आयोजन जारी है। ' शिक्षा एवं चिकित्सा ' मामले में शहर की मानी-जानी एनजीओ ' नोबल फॉउंडेशन ' एवं ' फैमिली केयर हॉस्पिटल ' द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिबिर का आयोजन भायंदर (पूर्व) स्थित केबिन रोड पर व्याप्त मथुरा अपार्टमेंट में ' नोबल फॉउंडेशन ' द्वारा संचालित दवाखाना में किया गया। जहां मीरा-भायंदर शहर के गरीब, जरूरतमंद, मध्यमवर्गीय लोगों ने इस ' नि:शुल्क चिकित्सा शिबिर ' का लाभ उठाया। उक्त ' नि:शुल्क चिकित्सा शिबिर ' का आयोजन ' सोशल डिस्टनसिंग ' एवं ' कोविड नियमों ' को ध्यान में रखकर भायंदर के कर्मठ समाजसेवक, उद्योगपति, ' अल-कैन एक्सपोर्ट ' के मालिक विजय पारीख ने अपने ' स्वर्गीय माता मधुबेन कृष्णदास पारीख ' एवं ' पिता स्वर्गीय कृष्णदास मणिलाल पारीख ' की पावन स्मृति में किया था। गौरतलब है कि, इस ' नि:शुल्क चिकित्सा शिबिर ' में जरूरतमंद लोगों को चश्मा का भी वितरण किया गया। नोबल फॉउंडेशन द्वारा संचालित दवाखाना की डॉक्टर कविता पाटील एवं ' फैमिली केयर अस्पताल ' की ' एग्जेक्युटिव डायरेक्टर ' शालिनी पाटीदार एवं डॉक्टरों ने सैकड़ों लोगों का बीपी, शुगर, ईसीजी, आंखों, वजन व लंबाई, तापमान आदि बीमारियों की भी जांच की। साथ ही भाईंदर (पूर्व) व (पश्चिम) क्षेत्र में नि:शुल्क तथा कम शुल्क में दवाखाना व पैथोलॉजी मात्र १०/- रुपये में ' चिकित्सा एवं मेडिकल ' जांच उपलब्ध है। इसी तरह मात्र १०/- रुपये में रोजाना भरपेट भोजन की भी व्यवस्था संस्था करती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में चिंतन पारीख, संजय चंदाराणा, दिपेश जानी, हेतल पारीख, गौरांग कंसारा, हेमा मेहता, अल्पा सावलिया, परशुराम लोधिया, विजय शाह, श्रुति गावड़े, नितेश मोरे, बजरंगी मिश्रा, मुनीराम, चंदन ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई। भाईंदर (पश्चिम) में हर गुरुवार को अंबे माता मंदिर मार्ग के नुक्कड़ पर खिचड़ी बांटा जाता है। पालघर जिला में वृद्धाश्रम का सुकार्य चल रहा है। शीघ्र ही एक बड़े पैमाने पर हर तरह से मेडिकल से सुसज्जित ' हाईटेक कैंसर अस्पताल ' बनाने की योजना भी चल रही है।

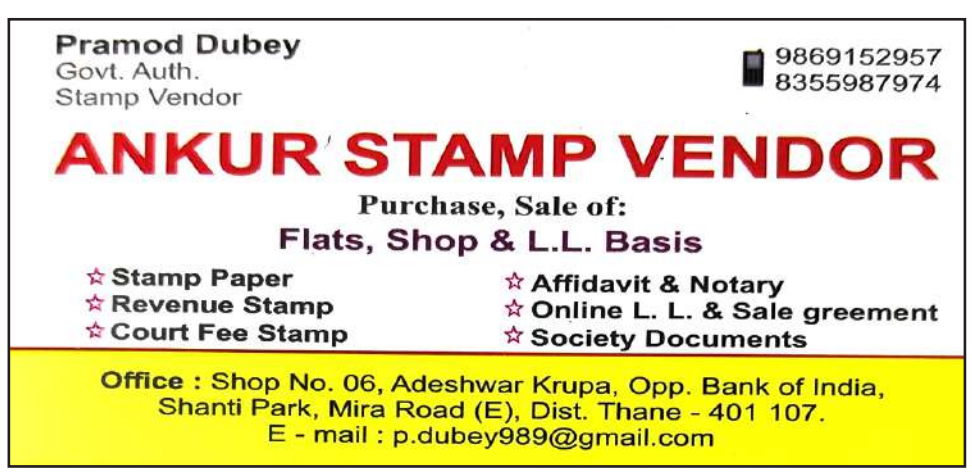

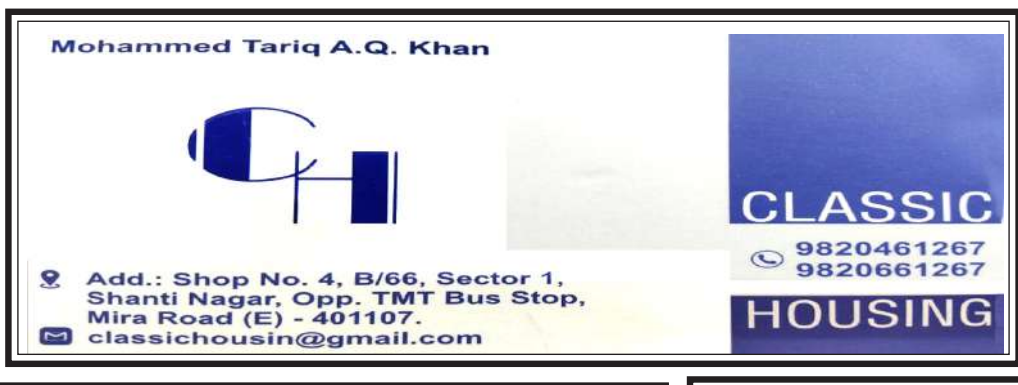

भारत को आज हमने विश्व शक्ति के नाते हमें देखना है - पियूष गोयल

जेकेएस संवाददाता

मुंब:- महाराष्ट्र के आराध्य दैवत छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती निमित्त केंद्रीय मंत्री भाजपा उत्तर मुंबई उम्मीदवार पियूष गोयल ने अनेक कार्यक्रमों में शिरकत की। केंद्रीय मंत्री पियूष गोयल ने कहा की, छत्रपति शिवाजी महाराज ने सुशासन का जो मंत्र दिया, राज्यकर्ता को जो साहस शौर्य और योजनाबद्ध कार्यपद्धति दी वही आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी की कार्यशैली में हमे प्राप्त होती है। भारत को आज हमने विश्व शक्ति के नाते हमें देखना है, छत्रपति शिवाजी महाराज के पदचिन्हों पर स्वराज्य, स्वधर्म, स्वाभिमान के पथ पर आज हमने भारत का विकास होते हुए देखना है। यह कहते हुए केंद्रीय मंत्री भाजपा उत्तर मुंबई उम्मीदवार पियूष गोयल ने जिजाऊ माता को और छत्रपति शिवाजी महाराज के राष्ट्रभक्ति को स्मरण और नमन किया। शिवसेना शाखा द्वारा आयोजित बोरीवली आदित्य कॉलेज, दहिसर पूर्व आनंद नगर में जय नगर स्पोर्ट्स क्लब में जगदीश ओझा द्वारा आयोजित सत्यनारायण महापूजा, विधायिका मनीषा चौधरी द्वारा आयोजित एन.एल. कॉम्प्लेक्स के छत्रपति शिवाजी उद्यान क्रीडांगन में छत्रपति शिवाजी महाराज महोत्सव, मागाठाणे के विधायक प्रकाश सुर्वे द्वारा केतकीपाडा में आयोजित छत्रपति शिवाजी जयंती, दहिसर पूर्व एन.जी.पार्क में भाजपा मुंबई उपाध्यक्ष प्रकाश दरेकर द्वारा आयोजित चारकोप माजी नगरसेवक भाजपा अध्यक्ष बाला तावडे.द्वारा संकलित राजे मित्र मंडल चारकोप में छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के कार्यक्रमों में पियूष गोयल उपस्थित हुए।

मनपा को पिछले साल की तुलना में इस साल संपत्ति कर में बढोत्तरी

जेकेएस संवाददाता

भायंदर: मीरा-भाईंदर नगर निगम द्वारा अग्रणी समाचार सेवा वित्तीय वर्ष २०२३-२४ में देखा गया है कि संपत्ति कर के कुल लक्ष्य २१५ करोड. में से १७५ करोड.रुपये की वसूली हो चुकी है. यहरिकवरी १ अप्रैल २०२३ से २९ मार्च २०२४ तक की गई है और देखा गया है कि पिछले साल की तुलना में इस साल १००.८८ फीसदी की बढोतरी हुई है. साफ है कि बाकी रुपये वसूलने के लिए टैक्स विभाग को उठाने होंगे. मीरा-भायंदर शहर में संपत्तियों की कुल संख्या ३ लाख ५८ हजार ३० है, जिसमें लगभग ३ लाख ५ हजार आवासीय और ५३ हजार ३० व्यावसायिक संपत्तियां

शामिल हैं। नगर पालिका ने इस वर्ष का संपत्ति कर एडवांस में वसूलने के लिए अभय योजना लागू की थी। अग्रिम संपत्ति कर का भुगतान करने वालों को निर्धारित अवधि के भीतर सरकारी उपकर को छोडक़र कर योग्य मूल्य के साथ नगर निगम कर पर ५ और ३ प्रतिशत की छूट दी गई। बकाया कर पर ब्याज में ७५ प्रतिशत की छूट दी गई। नगर पालिका ने यह टैक्स ऑनलाइन के साथ-साथ मोबाइल ऐप से भी जमा करने की सुविधा दी थी। इस हिसाब से १ लाख १० हजार ३७८ संपत्ति टैक्स वसूली में वार्ड समिति एक का दांव नगर पालिका ने वित्तीय वर्ष २०२३-२४ के लिए कर विभाग को कुल २१५ करोड. ३३ लाख ५७ हजार ६९१ रुपये कर वसूली का लक्ष्य दिया था. टैक्स विभाग ने कुल लक्ष्य से १७५ करोड. ११ लाख २३ हजार ४५८ रुपये की वसूली की है और यह वसूली १ अप्रैल २०२३ से २९ मार्च २०२४ तक की गई है. चूंकि कर विभाग के पास बकाया कर की वसूली के लिए केवल कि विभाग को बकाया कर की २ दिन बचे हैं, तो जाहिर है वसूली के लिए सख्त कदम उठाने होंगे। वार्ड समिति कार्यालय क्रमांक १ ने इस वर्ष कर संग्रहण में बाजी मारी है और इस कार्यालय को कुल १९ करोड.२५ लाख ७१ हजार ११५ रुपये कर संग्रहण का लक्ष्य दिया गया था. हालांकि इस कार्यालय ने कुल लक्ष्य से १ करोड.३१ लाख ८६ हजार २६ रुपये अधिक की वसूली की है और इसका प्रतिशत १०६.८५ फीसदी है. धारक ऑनलाइन विकल्प का उपयोग करें कुल ६३ करोड.५४ लाख ८८ रु हजार ८७७ रुपए टैक्स चुकाया। तो १ लाख ७२ हजार ९०२ संपत्ति ऑफलाइन के माध्यम से धारकों द्वारा ११८ करोड.स ४५ लाख ८६ हजार ९३४ रुपये कर भुगतान।

पर्यावरण प्रेमियों में वृक्ष को लेकर आक्रोश

भायंदर: भायंदर पूर्व के काशीनगर होकर इंद्रलोक जाने वाले सडक़ के किनारे लगे ५ वृक्ष अचानक सूख गए है। स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों

ने इन्हें केमिकल डालकर सुखाने और वृक्षों की हत्या किसी खास मकसद से किए जाने का आरोप लगाया है। हालांकि इसकी शिकायत मनपा आयुक्त संजय श्रीपतराव काटकर से किए जाने के बाद उन्होंने स्थल पर जाकर जांच करने व कारवाई करने का आश्वासन दिया है। बता दें कि काशीनगर परिसर भायंदर पूर्व का पुराना परिसर है। मनपा के वृक्ष प्राधिकरण द्वारा इस परिसर के सडक़ों के किनारे पहले से ही वृक्ष लगाए गए हैं। जिनमें से कई वृक्ष बडे.और हरे भरे हो गए हैं, लेकिन इसी सडक़ किनारे गोडदेव श्मशान भूमि के सामने की ५ वृक्ष अचानक से सूखने लगी है। एक कतार में लगे एक के बाद एक ५ वृक्षों के सूखने से इन वृक्षों की जड.में केमिकल डालकर सुखाने की साजिश किए जाने का आरोप स्थानीय नागरिक प्रणय चव्हाण ने किया है। दरअसल इन वृक्षों से सटे एक भूखंड पर विगत तीन माह से एक नए ईमारत का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसे लोहे के पतरे से घेर कर उस पर ईमारत के संबंध में विज्ञापन भी लगाई गई है। इन वृक्षों की वजह से विज्ञापन ढंक जा रहे थे। इसलिए साजिश के तहत इन वृक्षों को सुखाने की आशंका व्यक्त की जा रही है और वृक्षों के सूखने की असली वजह क्या है, इसके जांच की मांग की जा रही है।

डंपिंग ग्राउंड में आग लगने से स्थानिय रहिवासी परेशान

जेकेएस संवाददाता

भायंदर: वातावरण का तापमान बढऩे से शनिवार को यहां धावागी-डोंगर स्थित ठोस अपशिष्ठ संयंत्र के कचरे में फिर से आग लग गई। इससे इलाके में धुआं फैलने से पीडा असहनीय हो गई और ग्रामीण सीधे परियोजना स्थल पर पहुंचे और प्रशासन द्वारा लगातार हो रही आग को नहीं रोकने पर आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी। ग्रामीणों की चेतावनी के चलते प्रशासन ने तत्काल पुलिस को परियोजना स्थल पर बुला लिया. पिछले कुछ दिनों से बातावरण में तापमान बढ.रहा है . जैसे-जैसे गर्मी की तपिश असहनीय होती जा रही है। हालांकि, इस चिलचिलाती धूप के कारण शनिवार को उत्तान स्थित नगर निगम के ठोस कचरा संयंत्र में कूडे.में तीसरी बार आग लग गई। गर्मी शुरू होते ही प्रशासन को कूडे.में आग लगने की आशंका रहती है. यहां दमकल गाडिय़ों के साथ जवानों को तैनात किया गया है. हालांकि, चूंकि परियोजना में वर्षों से संग्रहीत कचरे में मीथेन गैस उत्पन्न होती है, इसलिए प्रशासन का दावा है कि जैसे ही यह गैस वातावरण

की गर्मी के संपर्क में आती है, कचरे में आग लग जाती है। जा रहा है लेकिन कूडे.में लगातार आग लगने से इलाके में धुआं फैल रहा है. इसकी पीडा से आसपास के ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां होने लगी हैं। ग्रामीण शुरू से ही आते हैं. इस परियोजना का विरोध हो रहा है और उनके विरोध को तोडऩे हुए प्रशासन ने स्थानीय नेताओं के सहयोग से उत्तान के धावगी डोंगर में इस परियोजना को जारी रखा है। परियोजना को दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए ग्रामीणों ने धारावी द्वीप बचाव संघर्ष समिति के माध्यम से अदालती लडाई लडी। कोर्ट ने प्रशासन को प्रोजेक्ट में डंप किए गए कचरे को एमपीसीबी और मुंबई आईआईटी विशेषज्ञों के निर्देशानुसार प्रोसेस करने का निर्देश दिया। इसके मुताबिक प्रशासन ने सरकार से स्वीकृत सब्सिडी से प्रोजेक्ट में जमा कचरे पर बायोमाइनिंग की प्रक्रिया तो शुरू कर दी है, लेकिन यह अभी तक पूरी नहीं हो सकी है.

डर्टी फिल्म के कारोबारी गिरफ्तार

मुंबई : लोनावला में किराए के एक विला मे चल रहे डर्टी फिल्म के कारोबार का पर्दाफाश लोनावाला पुलिस ने किया है। इस गिरोह मे शामिल १५ में से १३ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह पूरा गोरखधंधा ३अर्नव नाम के एक विला में कई दिनों से चल रहा था। बताया जाता है कि यहां कमरों में अश्लील वीडियो बनाया जाता था। इसके लिए अलग-अलग राज्यों से कई युवक-युवतियां शूट के लिए आए हुए थेजो ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए फिल्म बना रहे थे। इस बात की जानकारी मिलने के बाद लोनावला ग्रामीण पुलिस ने अर्नव वीला पर छापा मारा और कार्रवाई की। लोनावला ग्रामीण पुलिस ने मौके से अश्लील वीडियो शूट करने के लिए जरूरी वैंमरे और अन्य सामग्रियां जब्त की।

पालघरवासियों का मलाल : संसद की सीढ़ियां कब चढ़ेगी आदिवासी महिला?

जेकेएस संवाददाता

पालघर : देश के पहले आम चुनाव में २४ महिलाएं सांसद चुनी गई थीं। जबकि साल २०१९ आम चुनाव में इनकी संख्या ७८ पहुंच गई। लेकिन आदिवासियों के लिए सुरक्षित महाराष्ट्र के पालघर लोकसभा क्षेत्र से आज तक एक बार भी आदिवासी महिला सांसद नहीं चुनी गई है। लोग सवाल पूछ रहे हैं कि

देश की सबसे बड़ी पंचायत में आदिवासी महिला को पहुंचने में और कितने वर्ष लगेंगे? देश में महिला आरक्षण और महिला सशक्तिकरण की बढ़-चढ़कर बात हो रही है। लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने को लेकर बहस हो रही है। लेकिन पालघर जिले की सियासत की सच्चाई कुछ और है। जहां आम चुनावों के इतिहास में अब तक एक भी महिला सांसद नहीं चुनी गई है। लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व में देशभर में महिलाओं बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं। अगर आंकड़े देखे जाएं तो साल २०१९ आम चुनाव में ६७.१८ फीसदी महिलाओं ने अपने वोट का इस्तेमाल किया था। ये आंकड़े पुरुष मतदाताओं के मुकाबले ज्यादा हैं। साल २०१९ आम चुनाव में ६७.०१ फीसदी पुरुषों ने अपने मत का इस्तेमाल किया था। लेकिन पालघर की बात करें तो प्रतिनिधित्व करने के मामले में महिलाएं पीछे छूट गई हैं,

ठाणे में लगाए गए १,४०० में से ३०० सीसीटीवी कैमरे बंद : आयुक्त ने कंट्रोल रूम कर्मचारियों के खींचे कान!

जेकेएस संवाददाता

ठाणे : ठाणे मनपा क्षेत्र में लगे १,४०० सीसीटीवी कैमरों में से ३०० बंद होने की बात सामने आई है। जब कंट्रोल रूम के निरीक्षण के दौरान यह बात सामने आई तो नवनियुक्त आयुक्त सौरभ राव ने नाराजगी जताई और अधिकारियों के कान भी खींचे। मनपा सूत्रों के मुताबिक, आयुक्त राव द्वारा कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली को लेकर पूछे गए सवालों से संबंधित कर्मचारियों की हवा निकल गई। बता दें कि पिछले कुछ सालों में ठाणे मनपा क्षेत्र की विभिन्न सडकों पर सोने के चेन की चोरी की वारदातें बढ़ गई हैं, वहीं लुटेरों द्वारा आम लोगों को बातों में उलझाकर उनसे पैसे लूटने का सिलसिला भी बढ़ गया है। महानगरपालिका ने इस तरह के अपराधों पर अंकुश लगाने और साथ ही शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से ठाणे शहर में सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना लागू की है। इस योजना के माध्यम से मनपा द्वारा ठाणे, कलवा और मुंब्रा शहरों में सुरक्षा उद्देश्यों के लिए १ हजार ४०० सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों द्वारा कैद की गई सारी जानकारी हजूरी स्थित नियंत्रण कक्ष में एकत्र की जाती है। इसका फायदा यह हुआ कि पुलिस ने शहर में विभिन्न अपराधों की जांच में इन कैमरों का इस्तेमाल किया है और इसके जरिए अपराधियों का पता लगाकर उन्हें पकड़ने में सफलता हासिल की है। इसके अलावा प्रशासन ने हाल ही में नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की मांग के अनुसार, शहर के विभिन्न हिस्सों में ४३ और सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया है। वहीं, यह बात सामने आई है कि

शहर में लगे १,४०० सीसीटीवी कैमरों में से ३०० बंद हैं, जिससे प्रशासन की खिल्ली उड़ रही है। ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव ने मानसून से पहले कार्यों की समीक्षा शुरू कर दी है, साथ ही उन्होंने हजूरी स्थित नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया और वहां काम की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने देखा कि शहर में तीन सौ वैंमरे बंद हैं। प्रशासन की ओर से जानकारी दी गई कि कैमरे से जुड़े तार टूट गए हैं और उन्हें जोड़ने का काम चल रहा है। कमिश्नर ने कर्मचारियों से कई सवाल पूछे कि नागरिकों से मिलने वाली शिकायतों को संबंधित विभाग तक कैसे भेजा जाता है और उस पर वैंसे कार्रवाई की जाती है, लेकिन वहां मौजूद कर्मचारी इस बारे में जवाब नहीं दे सके। इस पर नाराजगी जताते हुए आयुक्त राव ने कर्मचारियों को आड़े हाथों लिया। इस अवसर पर आयुक्त ने स्मार्ट सिटी के माध्यम से बनाए गए एडवांस कंट्रोल रूम का उपयोग बढ़ाने का निर्देश दिया, ताकि किसी भी आपात स्थिति का अलर्ट उनसे आपदा प्रबंधन केंद्र को मिल सके। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि वे नागरिकों की शिकायतों का इंतजार करने की बजाय कंट्रोल रूम में लगे कैमरों के जरिए जानकारी लें और उन शिकायतों का समाधान करें, ऐसी जानकारी मनपा सूत्रों ने दी।

म्हाडा की आंखें पथराईं! विरार के फ्लैट लेने नहीं पहुंच रहे ग्राहक!

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट ऑथॉरिटी (म्हाडा) के विरार हाउसिंग प्रोजेक्ट्स में पानी की आपूर्ति होने के बावजूद घरों की बिक्री में इजाफा नहीं हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, अब तक ५ हजार १९४ घर नहीं बिके हैं। इस वजह से म्हाडा के कोकण बोर्ड द्वारा २ हजार २७८ घरों की लॉटरी निकाली गई थी, लेकिन उसे भी अच्छा प्रतिसाद नहीं मिला है। इन घरों को बेचने के लिए म्हाडा ने घरों को पहले आओ पहले पाओ की श्रेणी में शामिल किया था और घरों की बिक्री के लिए विज्ञापनों पर जोर दिया दिया था। लेकिन फिर ग्राहकों की संख्या में कोई बदलाव नहीं आया। २३ नवंबर को हाउसिंग प्रोजेक्ट के लिए सूर्या बांध का पानी उपलब्ध कराए जाने के बाद भी प्रतिसाद कम मिला। इसके समाधान के रूप में कोकण मंडल ने संगठनों, व्यक्तियों या सरकारी एजेंसियों को १०० घरों का एक बैच बेचने के लिए एक निविदा की घोषणा की है। इस टेंडर के मुताबिक, एक बार में १०० घर खरीदने वालों को घरों की बिक्री कीमत पर १५ फीसदी की छूट दी जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार, कोंकण बोर्ड के तहत विरार में १० हजार घरों की परियोजना लागू की है। चरणों में विकसित की गई इस परियोजना के ५१९४ घर नहीं बिके हैं। कई वर्षों तक मकानों की बिक्री न

होने के कारण यह देखा गया है कि लगभग १५०० करोड़ रुपए का मंडल को नुकसान हुआ है। इसलिए एक नीति बनाई गई और उसके तहत एक बार में १०० घरों की बिक्री की परिकल्पना की गई है। घर खरीदार निर्धारित अवधि के भीतर घर की राशि के २५ प्रतिशत और ७५ प्रतिशत का भुगतान कर सकता है। इस नीति के अनुसार १६ मार्च से आवेदन जमा किए जा रहे हैं तथा आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि १६ अप्रैल है।

मतदान के लिए जाकरूकता अभियान

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : भारत निर्वाचन आयोग के एसवीईईपी (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी) के तहत, २५ ठाणे लोकसभा क्षेत्र के १४५ मीरा भायंदर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं के बीच मनपा स्कूल के विद्यार्थियों के माध्यम से गुरुवार को जन जागरूकता मुहिम चलाई गईं। मतदाताओं के बीच जागरूकता लाने के लिए सहायक चुनाव रिटर्निंग अधिकारी के माध्यम से गुरुवार की सुबह १० बजे भायंदर सेकेंडरी स्कूल से मैक्सस मॉल तक एक प्रभात फेरी का आयोजन किया गया । इस प्रभातफेरी में मनपा स्कूल नंबर १६ और २२ (मराठी माध्यम), स्कूल नंबर १७ (गुजराती मध्यम), स्कूल नंबर १८ और ३० (हिंदी माध्यम), स्कूल नंबर ३१ (उर्दू मीडियम), कारनेशन इंग्लिश माध्यम स्कूल, सुबोध विद्यालय और भायंदर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थी शामिल हुए। इसके बाद मनपा स्कूल नंबर १६ के विद्यार्थियों ने मैक्सस मॉल के पास मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए नुक्कड.नाटक प्रस्तुत किया। साथ ही मनपा स्कूल नं. २२ के विद्यार्थियों ने गीत प्रस्तुत किए।

पानी का बिल भरो नहीं तो नल कनेक्शन कटेगा

जेकेएस संवाददाता

भायंदर: मीरा-भायंदर मनपा के जलापूर्ति विभाग ने पानी बिल बकायेदारों से वसूली के लिए सख्ती बरतना शुरू किया हैं. साथ ही जलापूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता शरद नानेगांवकर ने चेतावनी भी दी है कि ३१ मार्च तक सभी अपने बकाया पानी बिल का भुगतान कर दें, अन्यथा उनके जलापूर्ति के कनेक्शन खंडित कर दिए जाएंगे. बकाया पानी बिल की वसूली के लिए चलाई जा रही विशेष मुहिम में भायंदर पूर्व पश्चिम और मीरा रोड में अब तक ९० नल कनेक्शन खंडित किए गए हैं, जिसमें रेलवे का भी समावेश है. बता दें कि मीरा भायंदर शहर में मनपा के जलापूर्ति विभाग द्वारा कुल ४४ हजार ८८७ नल कनेक्शन दिए गए हैं, जिसमें ४१ हजार ६८३ निवासी और ३ हजार २०४ वाणिज्यिक नल कनेक्शन का समावेश है, जिनसे इस वर्ष ९० करोड.७५ लाख रुपए की पानी बिल वसूली अपेक्षित है, जिसमें से अब तक ८४ करोड.२५ लाख रुपए वसूल किए गए हैं. ६ करोड. ५० लाख रुपए अभी वसूल करने बाकी हैं. जलापूर्ति विभाग ने शत-प्रतिशत वसूली का लक्ष्य निर्धारित किया है. जबकि ९५ प्रतिशत तक की वसूली का अनुमान व्यक्त किया गया है. मीरा भायंदर मनपा को स्टेम प्राधिकरण और एमआईडीसी द्वारा जलापूर्ति की जाती है, जिसके एवज में मनपा को उन्हें प्रति माह लगभग ५ से ६ करोड.रुपए भुगतान करना पडता है. पानी बिल के बकायेदारों को नोटिस दिए जाने के बाद भी जिन्होंने बिल अदा नहीं किया है, उनसे वसूली के लिए मनपा आयुक्त संजय श्रीपतराव काटकर के मार्गदर्शन में विशेष मुहिम चलाई जा रही है. अब तक ९० नल कनेक्शन खंडित किए गए हैं, जिसमें रेलवे विभाग का भी समावेश है. जलापूर्ति विभाग के अनुसार रेलवे विभाग का ७५ लाख रुपए पानी बिल का बकाया है.

चैन स्नैचर को पुलिस ने धरदबोचा

मुंबई (बोरीवली) एमएचबी पुलिस ने महज १२ घंटे में दो शातिर चैन स्नैचर को गिरफ्तार किया। जो राह चलती महिलाओ का चैन खिंचकर फरार हो जाते थे। २६ मार्च को ७ बजे के लगभग फरियादी महिला सेंट फ्रांसिस स्कूल बोरीवली पश्चिम में पैदल जा रही थी। तभी अचानक पीछे से बाइक सवार ने महिला के गले से सोने का चैन छीनकर फरार हो गए थे। जिसकी सूचना पुलिस को मिलते ही मामला दर्जकर घटनास्थल के आस पास लगे सीसीटीवी की मदद से मामले की जांच शुरू की। वरिष्ट अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस स्टेशन के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक सुधीर कुंडालकर ने गुनाह प्रकटीकरण अधिकारी पुलिस उपनिरीक्षक संदीप गोरडे को मामले की जांच करने का आदेश दिया। तांत्रिक विश्लेषण और सूत्रों की मदद से आरोपी के बोरीवली पूर्व में होने की जानकारी मिली। पुलिस ने बोरीवली पूर्व में जाल बिछाकर दोनो आरोपीयो को गिरफ्तार कर लिया। दोनो आरोपीयो का नाम सुचित दिलीप जाधव (२२) और अजय तुकाराम बोराडे (२५) है। दोनों आरोपी बोरीवली पूर्व के रहने वाले हैं। दोनों आरोपियों के पास से २० ग्राम सोने का चैन बरामद किया गया है। साथ ही गुनाह में इस्तेमाल बाइक को भी पुलिस ने जप्त किया। पुलिस दोनों आरोपियों से यह जांच कर रही है कि इन आरोपियों ने और कहां-कहां चैन स्नैचिंग की वारदात को अंजाम दिया है।

जनता की सुविधाओं के लिए मीरा-भायंदर में बनेगा सुसज्जित मछली मार्केट

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत मीरा-भायंदर शहर में एक सुसज्जित मछली बाजार (फिश मार्केट) बनाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा मनपा को हाल ही में १४ करोड.९६ लाख रुपये की निधि मंजूर की गई है। इसके बाद एमबीएमसी द्वारा मछली बाजार के लिए भूखंड की तलाश की जा रही है। बता दें कि ठाणे और पालघर जिला के बीच भायंदर पश्चिम के उत्तन सागर तट पर एक महत्वपूर्ण बंदरगाह है। यहां ८०० से ज्यादा मछली पकडने वाली नौकाएं हैं और हर साल करोडों रुपये का मछली कारोबार होता है। इस तट के माध्यम से पकडी गई मछली मुंबई के क्रॉफर्ड मार्केट, वसई के नायगांव, मीरा-भायंदर में विभिन्न स्थानों पर बेची जाती है। स्थानीय मछुआरों की मांग रही है कि शहर में एक सुसज्जित मछली बाजार होना चाहिए। मछुआरों की लगातार मांग पर मनपा ने केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से निधी के लिए प्रस्ताव भेजा था। मनपा के प्रस्ताव पर केंद्र सरकार द्वारा मछली बाजार के लिए १४ करोड.९६ लाख रुपए की निधी को मंजूरी दिए जाने का पत्र हाल ही में मनपा को प्राप्त हुआ है। हालांकि मनपा द्वारा शहर में जगह-जगह छोटे-छोटे मछली बाजार बनाये गये हैं। भायंदर पश्चिम रेलवे स्टेशन के पास सडक़ पर सुबह-सुबह मछली बाजार लगता है, जहां थोक मछलियाँ भी बेची जाती हैं। लेकिन हाल ही में रो-रो सेवा के कारण सडक़ पर बडे. वाहनों का यातायात बढने से इस बाजार पर संकट मंडराने लगा है। इस निधी से नई खाडी के पास मछली बाजार बनाने की जगह को लेकर मुश्किलें खडी हो गई हैं। यह जगह सीआरजेड में है और यहां एक प्राकृतिक नाला और इसी क्षेत्र में मैंग्रोज के वन भी है, इसलिए यहां मछली बाजार बनाना असंभव हो गया है। मछुआरों को थोक बाजार में बेचने के लिए अपनी मछली मुंबई या नायगांव ले जानी पडती है। यदि भायंदर में रेलवे स्टेशन के पास एक बडा सुसज्जित मछली बाजार बनाया जाए, तो व्यापारी यहां आ सकते हैं। मछली बाजार के लिए केंद्र सरकार द्वारा निधी स्वीकृत कर दी गयी है। मछुआरों के लिए सुविधाजनक जगह की तलाश जारी है। जगह तय होने के बाद मछली मार्केट का काम शुरू कर दिया जाएगा.

मिरा भाईंदर में जर्जर इमारतों को नोटीस

जेकेएस संवाददाता

भायंदर. मीरा भायंदर मनपा द्वारा शहर के १६४८ संदिग्ध जर्जर इमारतों को उनके स्ट्रक्चरल ऑडिट (संरचनात्मक परीक्षण) की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का नोटिस दिया गया है. जिसमें से ५१९ इमारतों के ही स्ट्रक्चरल ऑडिट रिपोर्ट अब तक मनपा में सादर की गई है. मनपा में सादर की गई रिपोर्ट के आधार पर शहर के २९ इमारतों को सी-१ श्रेणी की अति जर्जर इमारत (रहने योग्य नहीं) घोषित कर उसे तोडने की नोटिस दी गई है. बाकी बचे ११२९ इमारतों की स्ट्रक्चरल ऑडिट रिपोर्ट आने के बाद अति जर्जर इमारतों की संख्या में वृद्धि होने की संभावना है. बरसात के मौसम में अति जर्जर इमारतों के गिरने या हादसा होने की संभावना अधिक होती है. जिससे जानमाल को क्षति पहुंचती है. इससे पूर्व भी शहर अति जर्जर इमारतों के हादसाग्रस्त होने की घटनाएं घटित हो चुकी है. इस पर अंकुश लगाने और जानमाल की सुरक्षा की दृष्टि से मनपा आयुक्त संजय श्रीपतराव काटकर के निर्देश पर शहर के ३० वर्ष या उससे अधिक पुरानी इमारतों के स्ट्रक्चरल ऑडिट कराने के आदेश दिए गए हैं. मनपा के सभी ६ प्रभाग में किए गए सर्वेक्षण में १६४८ इमारत जर्जर पाए गए हैं. इन क्षेत्रों की अधिकांश इमारतें अति जर्जर बता दें कि १९८० के दशक में मुंबई शहर में रहने के घर महंगे होने जगह उपलब्ध नहीं होने जैसे अनेक कारणों से लोग वहां से स्थानांतरित होकर मुंबई के आस पास के नगरों जैसे मीरा भायंदर, वसई विरार, कल्याण डोम्बिवली, ठाणे भिवंडी आदि क्षेत्रों में विस्थापित होने लगे. मुंबई में चाल में रहने वाले लोग अपने घर बेच कर यहां इमारतों में घर खरीदने लगे. इस काल में सैकडों की संख्या में नई इमारतें बन कर खडी हो गई. ग्राम पंचायत और उसके बाद नगर परिषद के कार्यकाल में बन रहे इमारतों पर किसी प्रकार का नियंत्रण या अंकुश नहीं था. बिल्डर, ग्राम पंचायत- न.पा अधिकारी और स्थानीय राजनितिक नेताओं की मिलीभगत से सैकडों अवैध इमारतों का निर्माण किया गया. जिसमे इमारतों के निर्माण का स्तर और नियम दोनों की जमकर अनदेखी की गई, जिससे १९८० से २००२ के मध्य बनाई गई अधिकांश इमारतें आज अति जर्जर अवस्था की हो गई है.

कोरोना काल में एंबुलेंस को लेकर स्कैम

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : देश पर आए कोरोना महामारी के संक्रमण काल की भारी आपदा से उबरकर लोग अब उन लम्हों को भूलने लगे हैं । वहीं दूसरी तरफ इस आपदा में अपना फायदा उठाने वालों के चेहरे से धीरे -धीरे नकाब उतरने लगा है। इसी तरह के एक प्रकरण में कोरोना काल में एंबुलेंस की आपूर्ति करने वाले ठेकेदार को मीरा -भायंदर मनपा द्वारा अदा किए गए करीब ५ करोड.रुपए भाडे.में बडे.स्कैम का खुलासा कृष्णा गुप्ता द्वारा आरटीआई के तहत मांगी गई जानकारी में हुआ है। कोरोना के संक्रमण काल में निजी अस्पतालों द्वारा वसूले जा रहे मनमाने शुल्क की शिकायत के बाद सरकार ने उस दौरान ईलाज से संबंधित सभी शुल्कों की दर निर्धारित कर दी थी। इसी तरह से सरकार द्वारा आईसीयू सुविधायुक्त या वातानुकूलित एंबुलेंस के लिए १ हजार १९० रुपए दर निश्चित की गई थी। इसके बावजूद मनपा ने एंबुलेंस की आपूर्ति करने वाले बरकत कॉन्ट्रेक्टर्स को १ हजार ८०० रुपए की दर से ११ माह में ४ करोड.९८ लाख रुपए अदा कर दिए। बता दें कि कोरोना के संक्रमण काल में मरीजों को लाने - ले जाने के लिए मुंबई महानगर क्षेत्र परिवहन प्राधिकरण ने १९ जून २०२० की बैठक में एम्बुलेंस की दर निश्चित की थी। जिसमें २५ किलोमीटर के अंतर या २ घंटे के लिए आईसीयू सुविधा युक्त अथवा वातानुकूलित एंबुलेंस का भाडा ११९० रुपए और २५ किलोमीटर या २ घंटे से अधिक समय के लिए प्रति किलोमीटर २४ रुपए दर निश्चित किए थे। सूचना अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी में वसई के सौरभ अग्रवाल की बरकत कांट्रेक्टर नामक कंपनी ने २ जुलाई २०२० को मीरा भायंदर मनपा को पत्र देकर मरीजों को ले जाने ,लाने के लिए प्रादेशिक परिवहन विभाग के सरकारी दर के अनुसार एंबुलेंस आपूर्ति करने की इच्छा जाहिर की थी। साथ ही वर्ष २०१३ में मंजूर नहीं किए गए दर की सूची अपने पत्र के साथ जोडी थी। आश्चर्य की बात तो यह है कि बिना सरकारी दर की जांच पडताल किए उसी दिन मनपा के अधिकारियों ने ठेकेदार के पत्र के अनुसार प्रस्ताव तैयार कर बरकत कांट्रेक्टर द्वारा दिए गए दर को मंजूरी दे दी। साथ ही ३ जुलाई को बरकत ठेकेदार को १२ एंबुलेंस आपूर्ति करने का कार्यादेश भी तत्कालीन अतिरिक्त आयुक्त महेश वरुडकर ने जारी कर दी। इस पूरे स्कैम की शिकायत आरटीआई कार्यकर्ता गुप्ता ने प्रमाणों के साथ मनपा आयुक्त संजय श्रीपतराव काटकर और एंटी करप्शन ब्यूरो से की है। इसके बाद प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत एसीबी ने इस प्रकरण के जांच की अनुमति राज्य सरकार से मांगी है।

मीरारोड में धार्मिक कट्टरता का मामला गरमाया

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : मीरारोड परिसर में एक बार फिर से धार्मिक कट्टरता का मामला सामने आया है। यहां एक नाबालिग के जय श्री राम बोलने पर दूसरे समुदाय के शरारती तत्वों ने उसकी पिटाई कर दी और पीड़ित को उनके धर्म के नारे लगाने के लिए मजबूर किया। पीड़ित के पिता की शिकायत पर पुलिस ने ५ अज्ञात लोगों के खिलाफ ट्रेस पासिंग, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने सहित अन्य धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज किया है। आरोपियों द्वारा पीड़ित का पीछा करते हुए सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीडित के पिता संजय राम सिंह द्वारा मीरारोड पुलिस में दर्ज कराए गए एफआईआर के अनुसार यह घटना २५ मार्च रात करीब ९.३० बजे की है। पुलिस ने देर रात करीब १.१६ बजे एफआईआर दर्ज की। पीडित के पिता ने पुलिस को बताया कि उनका ११ वर्षीय लडक़ा दूध लेकर घर लौट रहा था। उसने हमेशा की तरह सोसायटी का वॉचमैन समझ कर उसे जय श्री राम कहा था, लेकिन वह व्यक्ति उनके सोसायटी का वॉचमैन नही था। आरोप है कि उस व्यक्ति के बगल में खड़े अन्य लोगों ने पीडित को रुकने के लिए कहा। पीड़ित उन्हें देखकर डर गया और वह सोसायटी के अंदर भागा। उसे भागता देख आरोपी युवक भी उसके पीछे दौडे और बायोमैट्रिक गेट को लात मारकर सोसायटी के अंदर घुसे और लिफ्ट के पास खडे.पीडित लडक़े से जबरन उनके धर्म के नारे लगवाए और वहां से चले गए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक-मुद्रक सीमा गुप्ता के लिए (प्रिंटींग) सागर प्रिंट एंड प्रोसेस, प्रगती इंडस्ट्रीयल, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई - ४०००११ से मुद्रित १०१, १ला माला सेक्टर ११ सी-२८, टी.एम.टी. बस स्टॉप के पीछे, शांतिनगर, मीरारोड (पूर्व), जिला थाना ४०११०७ (महाराष्ट्र) से प्रकाशित संपादक - सीमा गुप्ता, सलाहकार : सुधाकर डी., पी.आर.बी अधिनियम के अंतर्गत समाचारों के चन के लिए उत्तरदायी है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल जिला थाना रहेगा।
RNI NO. MAHHIN/2004/17839 Mob.No.9757262120 Email :newsjankalyanseva@gmail.com Jankalyan Seva GST No. 27AGUPG9011BIZI